# MAHARAJA SURAJMAL BRIJ UNIVERSITY, BHARATPUR

## SYLLABUS

## GENERAL HINDI

# 1 सामान्य हिन्दी

पूर्णांक 100 समय 3 घण्टे न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

नोट : 36 से कम अंक आने पर छात्रों को उत्तीर्ण नहीं किया जायेगा। इस प्रश्न–पत्र में प्राप्त अंकों को श्रेणी निर्धारण हेतु नहीं जोड़ा जायेगा।

अंक विभाजन – प्रश्न पत्र में दो भाग होंगे – 1. साहित्य खण्ड एवं 2. व्याकरण खण्ड। साहित्य खण्ड में दो भाग होंगे– गद्य भाग एवं पद्य भाग। प्रत्येक भाग के लिए 25 अंक निर्धारित हैं।

**50 अंक**

| | | |
|---|---|---|
| क | दो व्याख्या पद्य से (प्रत्येक में विकल्प देना है) | 5 x 2 = 10 अंक |
| ख | दो व्याख्या गद्य से (प्रत्येक में विकल्प देना है) | 5 x 2 = 10 अंक |
| ग | आलोचनात्मक प्रश्न पद्य से (विकल्प देना है) | 7½ x 2 = 15 अंक |
| घ | आलोचनात्मक प्रश्न गद्य से (विकल्प देना है) | 7½ x 2 = 15 अंक |

**व्याकरण / व्यावहारिक हिन्दी खण्ड** **25 अंक**

| | | |
|---|---|---|
| i. | निबंध लेखन – शब्द सीमा 300 शब्द | 8 अंक |
| ii. | कार्यालयी लेख – शासकीय–अर्द्धशासकीय पत्र, परिपत्र, अधिसूचना, कार्यालय ज्ञापन, विज्ञप्ति,कार्यालय आदेश। | 4x2 = 8 अंक |
| iii. | संक्षेपण (विकल्प देना है) | 5 अंक |
| iv. | पल्लवन (विकल्प देना है) | 4 अंक |
| v. | शब्द निर्माण की प्रविधि – उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास | 5 अंक |
| vi. | वाक्य शुद्धि / शब्द शुद्धि | 5 अंक |
| vii. | मुहावरे | 5 अंक |
| viii. | पारिभाषिक शब्दावली | 5 अंक |
| ix. | व्याकरणिक कोटियां –संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया,क्रिया विशेषण | 5 अंक |

**साहित्य खण्ड : गद्य–पद्य की निर्धारित रचनाएँ**

**गद्य भाग – निम्नांकित पाठ निर्धारित हैं –**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | कहानी | : | बड़े घर की बेटी (प्रेमचंद) |
| 2. | संस्मरण | : | प्रणाम (महादेवी वर्मा) |
| 3. | रेखाचित्र | : | बाईस वर्ष बाद (बनारसीदास चतुर्वेदी) |
| 4. | विज्ञान | : | शनि सबसे सुन्दर ग्रह (गुणाकर मुळे) |
| 5. | निबंध | : | गेहूँ और गुलाब (रामवृक्ष बेनीपुरी) |
| 6. | निबंध | : | सूखे चेहरों का भूगोल (मणिमधुकर) |
| 7. | निबंध | : | मजदूरी और प्रेम (सरदार पूर्ण सिंह) |
| 8. | निबंध | : | राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर (अगरचंद नाहटा) |
| 9. | निबंध | : | राष्ट्र का स्वरूप (वासुदेव शरण अग्रवाल) |
| 10. | व्यंग्य | : | ठिठुरता हुआ गणतंत्र (हरिशंकर परसाई) |

**पद्य भाग –**

1. कबीर– 1. मन रे ! जागत रहिये भाई
   2. हमारे राम रहीम करीमा केसौ, अलह राम सति सोई।
   3. काजी कौन कतेब बखानै।
   4. मन रे! हरि भजि, हरि भजि हरि भजि भाई।
   5. है मन भजन कौ प्रवान

   संदर्भ : कबीर ग्रंथावली–श्यामसुदंरदास
2. सूरदास 1. किलकत कान्ह घटुरुवनि आवत
   2. मुरली तऊ गोपालहिं भावत
   3. देखौ माई सुन्दरता कौ सागर

अकादमिक प्रभारी

4. जसोदा बार बार यौं भाखै
5. चित दै सुनौ स्याम प्रवीन

3. तुलसीदास
   1. कबहुँक अंब अवसर पाई
   2. अबलौं नसानी अब न नसैहौं
   3. मोहि मूढ़ मन बहुत बियोगौ
   4. ऐसौ को उदार जग मांही
   5. मन पछितैहैं अवसर बीते

   संदर्भ : विनय पत्रिका, गीता प्रेस गोरखपुर

4. रहीम
   पद
   1. छवि भावन मोहनलाल की
   2. कमल दल नैननि की उनमानि

   दोहा
   1. प्रीतम छवि नैननि बसी
   2. बसि कुसंग चाहत कुसल
   3. रहिमन अंसुआ नैंन ढरि
   4. रहिमन औछे नरन सौं बैर भलौ ना प्रीति
   5. रहिमन निज मन की बिथा
   6. काज परै कछु और है
   7. खैर खून खाँसी, खुसी बैर प्रीति मदपान
   8. दादुर मोर किसान मन लग्यो रहे घन माँहि
   9. पावस देखि रहीम मन कोइल साधै मौन
   10. रहिमन बिगरी आदि को बनै न खरचे दाम।

   संदर्भ : रहीम ग्रन्थावली, विद्यानिवास मिश्र

5. पदमाकर कवित्त
   1. कूलन में केलिन में कछारन में कुंजन में
   2. और भाँति कुंजन में गुंजरित भौंर भीर
   3. पात बिनु कीन्हे ऐसी भांति गुन बेलिन के
   4. चितै चितै चारों ओर चौंकि चौंकि परै त्योंहीं

   सवैया
   5. या अनुराग की लखौं जहँ.....
   6. फाग के भीर अभीरन में गहि गोविन्द लै गई भीतर गोरी।

6. मैथिलीशरण गुप्त
   साकेत – अष्टमसर्ग से
   कैकेयी का अनुताप
   तदनन्तर बैठी सभा उटज के आगे .....
   सौ बार धन्य वह एक लाल की माई।

7. प्रसाद : कामायनी, श्रद्धासर्ग – कहा आगन्तुक ने सस्नेह ..विजयिनी मानवता हो जाय।

8. पंत : 1. प्रथम रश्मि छन्द 1–13
   2. भारत माता

9. निराला: 1. भारती जय विजय करे
   2. बादल राग –1
   3. दलित जन पर करो करुणा
   4. फिर नभ घन घहराये।

10. रामधारी सिंह दिनकर –रश्मिरथी–तृतीय सर्ग –आरंभिक अंश
    सच्चे शूरमा
    सच है विपत्ति जब आती है ..... क्या कर सकती चिनगारी है।

अकादमिक प्रभारी